



नैनीताल-उत्तराखण्ड। नैनीताल राजभवन स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का स्वागत करते हुए आमंत्रित ब्र.कु. वीना, ब्र.कु. नौलम व अन्य भाई-बहनें। साथ हैं राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह व कैबिनेट मंत्री डॉ. धनसिंह रावत।



दिल्ली-लोधी रोड। माननीय पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव, भारत सरकार से स्नेह मुलाकात कर ज्ञान चर्चा करने के पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. गिरिजा, राजयोगी ब्र.कु. पीयूष, पूर्व नौसेना उपप्रमुख ब्र.कु. सतीश घोरमडे तथा अन्य।



कोटा-तलवंडी(राज.)। ज्ञान चर्चा करने के पश्चात् विधायक संदीप शर्मा को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. रीना।



फरीदाबाद-हरियाणा। दिल्ली से वृन्दावन के लिए सनातन हिन्दु एकता पदयात्रा के दौरान फरीदाबाद में बागेश्वर धाम सरकार के पीठाधीश्वर पंडित धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री को मुख्यालय माउंट आबू आने के लिए आमंत्रित कर ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. रंजना।



अंबाला-हरियाणा। सुप्रीम लाइट हाउस सेवाकेन्द्र के नवनिर्मित भवन निर्माण के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित दीप प्रज्वलन कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहे स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. दिव्या, सह संचालिका ब्र.कु. मीरा, ब्र.कु. नीति, शाहबाद, डेप्युटी सुपरिटेण्डेंट ऑफ पुलिस विजय कुमार, एडिशनल कमिश्नर म्युनिसिपल कमिटी के दीपक सूर, राजयोगी ब्र.कु. करमचंद, मोहाली तथा अन्य।



वाराणसी-उ.प्र.। दैनिक जागरण अखबार के सीटी प्रभारी प्रमोद यादव को परमात्म संदेश देने के पश्चात् चित्र में संस्था के क्षेत्रीय मीडिया और पी.आर. प्रभारी ब्र.कु. विपिन, ब्र.कु. तापोशी व ब्र.कु. अनिता।

वैसे देखा जाए तो दोनों ही बहुत उपयुक्त नाम दिए हुए हैं। शिव की जयंती अर्थात् परमात्मा शिव के दिव्य जन्म या दिव्य अवतरण और वो दिव्य अवतरण इस संसार की अज्ञान रात्रि के समय जब चारों ओर घोर अज्ञानता का अंधकार छाया हुआ होता है तो ऐसे समय पर ही परमात्मा शिव का दिव्य अवतरण इस संसार में होता है। और उसी की याद में हम सभी बड़े धूमधाम से महाशिवरात्रि सारे भारत भर में मनाते हैं।

मैं समझती हूँ कि भारत का एक गाँव भी कोई ऐसा नहीं होगा जहाँ परमात्मा शिव का ये दिव्य जन्मोत्सव मनाया ना जाता हो। शास्त्रों के अनुसार अगर देखा जाए तो शास्त्रों में तीन कथाएँ हैं- प्रथम कथा, जिसमें दिखाया कि एक शिकारी शिकार करने निकला था परंतु सारा दिन उसे कोई शिकार प्राप्त नहीं हुआ। अंधकार होने को आया था तभी उसे एक हिरण दिखाई दिया। उस हिरण का पीछा करते हुए जैसे ही उसको मारने जा रहा था तो हिरण ने आकर शिकारी को कहा कि हे शिकारी! मैं अपने बच्चों से मिलकर आती हूँ, उसके बाद तुम मेरा शिकार कर लेना। शिकारी ने कहा कि मैं कैसे विश्वास करूँ तुम्हारा? कहा कि मैं सही कह रही हूँ मेरे बच्चे घर में अकेले होंगे, इंतज़ार कर रहे होंगे, मैं उनसे छुड़ी लेकर आती हूँ। अब रात्रि का समय था तो शिकारी क्या करता! सोचा जंगल है, जंगली जानवर होंगे तो

राजयोगिनी ब्र.कु. ऊषा दीदी, वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका



शिवरात्रि सर्व पर्वों में महान पर्व क्यों है? और सभी बड़े प्यार से इस त्योहार को मनाते हैं। इसके पीछे ये भाव है कि इस पावन पर्व पर शिव का रूप भोलानाथ की तरह होता है। हम थोड़ा-सा भी पुरुषार्थ करें तब भी वे भोला बनकर सर्वस्व बचते हैं। इसी की यादगार में कई भक्त लोग रातभर जागरण करते हैं और कई तो निर्जला व्रत भी रखते हैं।

और न ही बेल पत्र डाले थे। फिर भी भोलेनाथ अनजानेपन में भी किए गए कर्म को सहर्ष स्वीकार करके, प्रसन्न होकर वरदान दे देते हैं। ये एक कथा है कि कैसे शिवजी प्रगट होकर भक्तों की भावना को पूर्ण करते हैं।

शास्त्रों में दूसरी कथा ये आती है कि शिवजयंती माना शिव पार्वती का विवाह। अब जयंती के समय विवाह हो ये कुछ सही नहीं लगता है। परंतु फिर भी भक्त उस बात को बहुत ही धूम-धाम से मनाते हैं कि शिव पार्वती का विवाह हुआ था इस दिन।

तीसरी कथा ये कि जब समुद्र मंथन हुआ देवासुर के बीच में और उसमें से सबसे पहले जब हलाहल निकला तो देवताएं बेहोश होने लगे। जब बहुत कम देवताएं बच गए तब कहा जाता है कि सभी ने शिवजी को पुकारा और शिवजी सारा हलाहल अपने कंठ में समा लेते हैं। तो इसको शिवरात्रि पर जोड़ दिया गया है कि ये वो ही दिन है जिस दिन शिवजी ने हलाहल को स्वीकार किया था।

अब ये तीन कथाएँ भक्ति मार्ग में हम सभी ने सुनी हैं। लेकिन सही क्या है? आध्यात्मिक अर्थ के आधार से उसको देखा जाए तो वास्तव में मनुष्य आत्माओं ने भले अनजानेपन में अपनी समझ के हिसाब से, जिस भी तरह से परमात्मा शिव की आराधना की या उपवास किया, जागरण किया, वास्तव में जागरण कोई 24 घंटे वाली दिन और रात की बात नहीं

सर्व मनोकामना पूर्ण करने का त्योहार है शिवरात्रि

एक पेड़ पर चढ़ गया और वो पेड़ था बेल पत्र का। उसपर चढ़ गया तो सोचा जब तक हिरण आवे तब तक मैं इस पेड़ पर ही बैठ जाऊँ। लेकिन कहीं मेरी नींद न लग जाए और कहीं गिर गया तो कोई न कोई शिकार कर लेगा उसका। तो खुद जागृत रहने के लिए उसने बेल पत्र के पत्ते तोड़ना आरंभ किया और बेल पत्र नीचे गिराना आरंभ किया।

ठंडी के दिन थे, कांप रहा था ठंडी के मोरे, तो मुख से शिव-शिव निकल रहा था और पेड़ के नीचे एक शिवलिंग था। तो

उसपर बेल पत्र पड़ते गए। सुबह होने को ही आई। जैसे ही उसने देखा कि सामने हिरण आ रहा है और नीचे उतरा तो उसी समय शिवजी प्रगट हुए उसके सामने और कहा तुमने सारा दिन उपवास भी किया, सारी रात मेरी भक्ति भी की, बेल पत्र भी लाखों चढ़ाए मेरे ऊपर। और सारी रात जागरण भी किया। इसीलिए तुम मांगों जो मांगोगे वो मिल जाएगा।

कहा जाता है कि शिवजी इतने भोले हैं कि सारी रात उस शिकारी ने ऐसे किसी उद्देश्य से न जागरण किया था, न उपवास

है। लेकिन जैसे मैंने कहा कि शिवरात्रि ये सूचक है कि जब इस संसार में घोर अज्ञानता की रात्रि छा जाती है तब परमात्मा शिव का दिव्य अवतरण होता है। और ऐसी रात्रि के समय जो अपनी आत्म ज्योति को जगा लेता है साथ ही साथ उपवास अर्थात् निरंतर मन के वास को उस प्रभु में एकाग्र करते हैं और भक्ति अर्थात् प्रेम से उस परमात्मा को याद करते हैं। ऐसी ही जब याद में मग्न स्थिति हो जाती है तो परमात्मा अपने भक्तों के उन संकल्पों को पूरा करते हैं, मनोकामना को पूर्ण करते हैं।



दिल्ली-मजलिस पार्क। इंद्रा नगर ग्राउंड में 22 ब्र.कु. ब्रह्मचारी युगलों के सम्मान समारोह में राजयोगिनी ब्र.कु. राजकुमारी दीदी, राजयोगी ब्र.कु. भारत भूषण, ज्ञान मान सरोवर रिट्रीट सेंटर डायरेक्टर, पानीपत, एमसीडी के चेयरपर्सन मुकेश गोयल, आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष तरुण गर्ग, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सुरेन्द्र अग्रवाल, संगीत महाविद्यालय की निदेशिका श्रीमती कविता जी तथा अन्य की उपस्थिति रही।



कुरगली-पंजाब। महिला समानता दिवस के उपलक्ष्य में ब्रह्मकुमारीज सेवाकेन्द्र पर आयोजित कार्यक्रम में महिलाओं को जागरूक करते हुए रेड क्रॉस की जसविंदर कौर। कार्यक्रम में ब्र.कु. स्वराज बहन, ब्र.कु. रंजीत बहन तथा अन्य भक्तियों-बहनों की उपस्थिति रही।



शाहजहाँपुर-उ.प्र.। बॉलीवुड के कॉमिडियन अभिनेता राजपाल यादव को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. चरिता। साथ हैं ब्र.कु. विनिता एवं जिला कारागार अधीक्षक मिनाजी लाल यादव।



झुंझुनू-राज.। दीपावली के उपलक्ष्य में ब्रह्मकुमारीज पाठशाला मुकुंदगढ़ में आयोजित स्नेह मिलन समारोह के पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. अमृता दीदी, ब्र.कु. सखी, ब्र.कु. शिवानी, अस्थापक ग्यारसी लाल, ललित मोदी, किरण मोदी तथा अन्य।